23- वसीयतनामा विला मालियत पुत्री के पुत्र के पक्ष में

यह कि मेरी और मेरे पति की मुझसे उत्पन्न दो पुत्रियॉ हैं अर्थात् (1) श्रीमती.....पत्नी श्री..... और (2) श्रीमती.....पत्नी श्री.....हैं। दैव इच्छा से मेरे पति की, मुझे उत्तराधिकारिणी छोड़कर वर्ष.....में मृत्यु हो गयी।.....जिले के तथा जिला.....के समस्त मौजे, यात्री, मकान, घरेलू सामान, नगद, रुपया, अनाज, जड़ाऊ आभूषण, अस्त्र–शस्त्र, ऊनी और रेशमी वस्त्र, जो उनके द्वारा छोड़े गये हैं, किसी अन्य व्यक्ति के साझे या कब्जे के बिना, मेरे द्वारा धारित है। उक्त अचल सम्पत्ति का ... विलेख मेरे पक्ष में उप निबन्धक कार्यालय.... में संख्या.... दिनांक ... को पंजीकृत हुआ है। यह कि मेरी पुत्री श्रीमती.....के कोई पुत्र नहीं है और मेरी पुत्री श्रीमती..... .....के.....नामक एक पुत्र है और यह कि मेरे कोई पुत्र नहीं है। इसलिए शास्त्र के अनुसार मेरी पुत्री का पुत्र उक्त.....मेरे पति का और मेरा उत्तराधिकारी है और वह मेरे प्रति कर्त्तव्यों का पालन कर रहा है। इस बात के होते हुए भी पूर्ति की दृष्टि से, मैं अपने पति की अनुमति से एतद्द्वारा घोषणा करती हूॅ कि.....जिले तथा..... जिले के मौजे, मकान, घरेलू सामान, आभूषण, मणि, रत्न आदि नगद रुपया, अनाज, अस्त्र–शस्त्र, ऊनी वस्त्र, रेशमी वस्त्र, अब मेरे स्वामित्व में तथा मेरे द्वारा धारित है तथा मेरे पति के और मेरे ऋण उपर्युक्त..... ..... के है और मैं लिखित रूप से देती हूॅ। वसीयतकर्ता निम्न अनुसूची में अंकित अचल सम्पत्ति का स्वामी है जो उसे विरासत में/पंजीकृत विलेख संख्या–... दिनांक .... क्रय द्वारा (जो लागू न हो उसे काट दें) प्राप्त हुई है। मैं घोषणाकर्त्री, अपने जीवन–पर्यन्त, किसी अन्य व्यक्ति के साझे या आधिपत्य के बिना कब्जा धारण करूॅगी, जैसा कि मैंने एतद्पूर्व किया है और दान–पुण्य करूॅगी और अपना भरण–पोषण प्राप्त करूॅगी। मेरी मृत्यु के पश्चात्.....जिले और जिला.....में स्थित समस्त मौजाओं का, कुल चल और स्थावर सम्पत्ति का, जो कि व्यक्तिगत मेरी है और मेरे नाम में है (नकद रुपया और घरेलू सामान) आदि का जो मेरे पति द्वारा और मेरे द्वारा छोड़ा गया हो, कब्जा ग्रहण करेगा और उनके कुल लाभ का उपभोग करेगा और उनके प्रति किसी व्यक्ति का कोई अधिकार, मॉग या विवाद नहीं होगा।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति का विवरण

वसीयतकर्ता के हस्ताक्षर

साक्षीगण

1.....

2.....